बालगीत

और

बाल कवितायें

www.rajteachers.com

चिड़िया

चुन चुन करती आई चिड़िया
दाल का दाना लाई चिड़िया
मोर भी आया, कौआ भी आया
कुत्ता भी आया, बंदर भी आया
हूप, हूप, हूप-हूप-हूप
चुन चुन करती आई चिड़िया
दाल का दाना लाई चिड़िया
भूख लगी जब चिड़िया रानी
चने की दाल पकायेगी
दाल पकायेगी, दाल पकायेगी
कौआ रोटी लायेगा
ला कर तुझे खिलायेगा
मोर भी आया, बन्दर भी आया
कौआ भी आया, कुत्ता भी आया
भौं, भौं, भौं-भौं-भौं
चुन चुन करती आई चिड़िया,
दाल का दाना लाई चिड़िया
बड़े होंगे जब मुन्ने राजा
उनका ब्याह रचायेंगे
उनकी दुल्हनिया लायेंगे
जयपुर उसे घुमायेंगे
कुत्ता भी आया, बन्दर भी आया
मोर भी आया, कौआ भी आया
काँव, काँव, काँव-काँव-काँव
चुन चुन करती आई चिड़िया
मैं तो हूँ मुन्ने का हाथी
मेरे संग तुम बनो बराती
बनो बराती, बनो बराती
चुन्नू ढोल बजायेगा, मुन्नू गाना गायेगा
कौआ भी आया, कुत्ता भी आया
कालू भी आया, मोर भी आया
चुन चुन करती आई चिड़िया
पिहू, पिहू, पिहू-पिहू-पिहू
चुन चुन करती आई चिड़िया
दाल का दाना लाई चिड़िया

म्याऊँ सो रही है

चूहो, म्याऊँ सो रही है
पाँव पसारे, मूँछ सँवारे
घर के पीछे छत के नीचे
देखो कोई, मौसी सोई
नासों में से साँसों में से
घर्र घर्र घर्र हो रही है
चूहो, म्याऊँ सो रही है
खुली रसोई, मौसी सोई
भरे पतीले चने रसीले
उल्टो मटका, देकर झटका
जो कुछ पाओ चट कर जाओ
आज हमारा, दूध दही है
चूहो, म्याऊँ सो रही है
मूँछ मरोड़ो, पूँछ सिकोड़ो
नीचे उतरो, चीजें कुतरो
आज हमारा, राज हमारा
करो तबाही, जो मनचाही
आज मची है चूहा शादी
आज किसी का डर नहीं है
चूहो, म्याऊँ सो रही है

www.rajteachers.com

लकड़ी की काठी

लकड़ी की काठी, काठी पेघोड़ा
घोड़ेकी दुम पर जो मारा हथौड़ा
दौड़ा, दौड़ा, दौड़ा, घोड़ा
दुम उठा केदौड़ा
तब्बक-तब्बक, तब्बक-तब्बक
घोड़ा अपना तगडा है
देखो कितनी चर्बी है
चलता हैमैनी मेंपर
घोड़ा अपना अरबी है
दौड़ा, दौड़ा, दौड़ा, घोड़ा
दुम उठा केदौड़ा
तब्बक-तब्बक, तब्बक-तब्बक
लकड़ी की .....
घोड़ा पहुंचा चौक में चौक मेंथा नाई
नाई जी नेघोड़ेकी हजामत जो बनाई
दौड़ा, दौड़ा, दौड़ा, घोड़ा
दुम उठा केदौड़ा
तब्बक-तब्बक, तब्बक-तब्बक
लकड़ी की .....

कुछ रंग भरेफूल

कुछ रंग भरेफूल
कुछ खट्टेमीठेफल
थोड़ी बाँसुरी की धुन
थोड़ा यमुना का जल
कोई ला केमुझेदे
कोई ला केमुझे
एक छाता छाँव का
एक धूप की घड़ी
एक बादलों का कोट
एक दूब की छड़ी
कोई ला केमुझेदे
कोई ला केमुझे
एक सोना जड़ा दिन
एक तारों भरी रात
एक फूलों भरा गीत
एक गीतों भारी बात
कोई ला केमुझेदे
कोई ला केमुझेदे
एक छुट्टी वाला दिन
एक अच्छी सी किताब
एक मीठा सा सवाल
एक नन्हा सा जवाब
कोई ला केमुझेदे
कोई ला केमुझे

- दामोदर अग्रवाल

www.rajteachers.com

गाड़ी आयी

गाड़ी आयी-गाड़ी आयी
चलो भागो रे
गाड़ी आयी मथुरा से
लायी पेड़े भर-भर के
गाड़ी मगर रुक गई
चलो धक्का मारो रे
चलो धक्का मारो रे

गाड़ी आयी-गाड़ी आयी
चलो भागो रे
गाड़ी आयी नागपुर से
लाई सन्तरे भर-भर के
गाड़ी मगर रुक गयी
चलो धक्का मारो रे
चलो धक्का मारो रे

गाड़ी आयी गाड़ी आयी
चलो भागो रे
गाड़ी आयी-गाड़ी आयी
चलो भागो रे
गाड़ी आयी बीकानेर से
लायी पापड़ भर-भर के
गाड़ी मगर रुक गई
चलो धक्का मारो रे
चलो धक्का मारो रे
गाड़ी आयी-गाड़ी आयी
चलो भागो रे
गाड़ी आयी मथुरा से
लायी पेड़े भर-भर के
गाड़ी मगर रुक गई
चलो धक्का मारो रे
चलो धक्का मारो रे

गाड़ी आयी-गाड़ी आयी
चलो भागो रे
गाड़ी आयी कश्मीर से
लायी सेब भर-भर के
गाड़ी मगर रुक गई
चलो धक्का मारो रे
चलो धक्का मारो रे

पेड़ लगायें

पेड़ लगायें ऐसा झिलमिल तारों जैसा
बिस्कुट खाते हो जिसमें
फल हो टॉफी जैसा. पेड़.....
चिंगम जैसा गोंद भी निकले
शकरकंद सी जड़ हो जिसमें
डाल पकड़ कर अगर हिलायें
टप टप बरसे पैसा. पेड़ .....
डाल तोड़ कर दूध निकालें
फिर पूरा पी जायें
मक्खन बर्फी दही जमा के
हम बच्चे खा जायें
रात अंधेरे में जो चमके
लगे सितारों जैसा. पेड़.....

www.rajteachers.com

इंदर राजा

म्हेढ़या ऊपर म्हे झडूके
करेबादल्या शोर
बज्यो धमीड़ो रामजी रो
गगन मंड्यो घनघोर
भई इंदर राजा पानी दे
पानी देगुड़ धानी दे
मींढ़की रो ब्याव कराँ
अन्न धन रा भंडार भराँ
बरस बादली बरस भला
गरड़ गरड़ थारा बोल भला
बोल भला, बोल भला हेऽ ऽ ऽ ऽ रे
हरिया-हरिया डूंगरा पे
पूण झबलक्या ले
गाया रा गवाल भीगे
सावन लहरा ले
भई इंदर राजा पानी दे
पानी देगुड़ धानी दे
मींढ़की को ब्याव कराँ
अन्न धन रा भंडार भराँ
बरस बादली बरस भला
गरड़ गरड़ थारा बोल भला
बोल भला, बोल भला हेऽ ऽ ऽ ऽ रे
गीली पाल तालाब की रे
मंगल्यो काको रपट्यो
तीन कुकरियाँ घरे घुसगी
छोरियाँ मौं लापटा
भई इंदर राजा पानी दे
पानी देगुड़ धानी दे
मींढ़की को ब्याव कराँ
अन्न धन रा भंडार भराँ
बरस बादली बरस भला
गरड़-गरड़ थारा बोल भला
बोल भला बोल भला हेऽ ऽ ऽ ऽ रे

गड़बड़झाला

आसमान को हरा बना दे
धरती नीली पेड़ बैंगनी
गाड़ी ऊपर नीचेलाला
फिर क्या होगा गड़बड़झाला.
ढिंग चिक, ढिंग चिक
ढिंग चिक, ढिंग चिक

कोयल केसुर ढेंक बोले
उल्लू दिन में आँखें खोले
चाबी अन्दर बाहर ताला
फिर क्या होगा गड़बड़झाला
ढिंग चिक, ढिंग चिक
ढिंग चिक, ढिंग चिक

दादा माँगेदाँत हमारे
रसगुल्लेहो खूब करोर
बरफी मेंहो गरम मसाला
फिर क्या होगा गड़बड़झाला
ढिंग चिक, ढिंग चिक
ढिंग चिक, ढिंग चिक

दूध गिरा बादल सेभाई
तालाबों मेंपड़ी मलाई
सागर मीठा चन्दा काला
फिर क्या होगा गड़बड़झाला
ढिंग चिक, ढिंग चिक
ढिंग चिक, ढिंग चिक

www.rajteachers.com

नानी तेरी मोरनी को

नानी तेरी मोरनी को मोर लेगए
बाकी जो बचा था कालेचोर लेगये
खा केपी केमोटेहो के
चोर बैठे रेल में
चोरों वाला डिब्बा कट के
पहुँचा सीधा जेल में नानी.....
उन चोरों की खूब खबर ली
मोटेथानेदार ने
मोरों को भी खूब नचाया
जंगल की सरकार ने नानी.....
अच्छी नानी प्यारी नानी
रूसा रूसी छोड़ दे
जल्दी सेइक पैसा देदे
तू कंजूसी छोड़ देनानी.....

रे मामा रे

सुन लो सुनाताँ हू
तुमको कहानी
रूठो न मुझसेयूँ
परियों की रानी
रेमामा रेमामा रे-2
हम तो गयेबाजार में
लेनेको आलू
आलू वालू कुछ न मिला
पीछेपड़ गया भालू
रेमामा रेमामा रे-2
हम तो गए बाजार में
लेनेको गोभी
गोभी वोभी कुछ ना मिली
पीछेपड़ गया धोबी
रेमामा रेमामा रेमामा रे2
हम तो गयेबाजार में
लेनेको लट्टू
लट्टू वट्टू कुछ ना मिला
पीछेपड़ गया टट्टू
रेमामा रेमामा रेमामा रे2

भिण्डी की बारात

भिण्डी की बारात चली है
बजता मीठा बाजा
आलू अदरक बनेबाराती
दूल्हा बैंगन राजा
मगन भुआजी लौकी तुरई
मौसम गाजर मूली
ककड़ी काकी घूम रही है
देखो फूली-फूली
मन मेंखुश हैकद्दू दादा
खुश हैगोभी दादी
नाचेलाल टमाटर छम-छम
भिण्डी की हैशादी
भिण्डी की बारात चली है
बजता मीठा बाजा
आलू अदरक बनेबाराती
दूल्हा बैंगन राजा
भिण्डी की बारात चली है
बजता मीठा बाजा

www.rajteachers.com

बादल मेरे गाँव भी आओ

पगड़ी टाँगो पीपल नीचे
ऊँट बिठाओ मस्जिद पीछे
सूख रहे हैं ताल तालाब
फिर इनको भर जाओ
बादल मेरे गाँव भी आओ

चौपालों पर कथा सुनाओ
पिंजरे के तोते से बोलो
बनिया डंडी मार रहा है
दाल, नमक अच्छे से तोलो
खोल के अपनी महँगी गठरी
सस्ती हाट लगाओ
बादल मेरे गाँव भी आओ

नीम की मीठी करो निबौली
सुलगाओ ठंडे चूल्हों को
मकानों में धूप उठा कर
पींगें भरने दो झूलों को
चुप चुप बैठे बीजों में अंकुर
आल्हा ऊदल गाओ
बादल मेरे गाँव भी आओ

घास उगाओ पगडंडी पर
दूध चढ़ाओ गाय के थन में
फाड़ के मुखिया के खाते को
चैन लिखो सूने आँगन में
प्यासी है नदिया बेचारी
उसकी प्यास बुझाओ
बादल मेरे गाँव भी आओ

• निदा फाजली

कैसे गाए गौरैया

सूख रहे कुआँ आँगन में
कैसे लाए गौरैया
एक एक कंकड़ बीना है
मल मल धोये हैं माँ ने
बड़े जतन से बिछा चटाई
पर आँगन में रखे सुखाने
देख रही बैठी खूँटी पर
नजर गड़ाए गौरैया
गर्म रोटियाँ बड़े स्वाद से
घर में सब खायें इनकी
त्यौहारों पर पूरी हलवा
उड़ा निकालें सब मन की
अपने हिस्से का राशन
कैसे पाये गौरैया
दादी माँ का पहरा ऐसा
चुरा न पाये दाना कोई
राह न सूझे गौरैया को
सोच रही कुछ खोई खोई
भूखे पेट भजन न होते
कैसे गाए गौरैया

• सुरेश विमल

मामा मटरू

मामा मटरू जब भी खाते
सोते तो सोते ही जाते-2
जब भी उन्हें जगाना होता
ढम ढम ढोल बजाना होता-2

कागज की गुड़िया

कागज की गुड़िया के कान नहीं है-2
ओ गुड़िया कैसे सुनेगी-2
खरगोश के कान लगा कर ऐसे सुनेगी
ओ गुड़िया ऐसे सुनेगी-2
कागज की गुड़िया के हाथ नहीं है-2
ओ गुड़िया कैसे रखेगी-2
स्प्रिंग के हाथ लगा कर ऐसे रखेगी
ओ गुड़िया ऐसे रखेगी-2
कागज की गुड़िया के आँख नहीं है-2
ओ गुड़िया कैसे देखेगी-2
बिल्ली की आँख लगा कर ऐसे देखेगी
ओ गुड़िया ऐसे देखेगी-2
कागज की गुड़िया के पैर नहीं है-2
सारस के पैर लगा कर ऐसे कूदेगी
ओ गुड़िया ऐसे कूदेगी-2

माली की बाड़ी में

हीरालाल माली की बाड़ी में
हीरालाल माली की बाड़ी में

मूली ही मूली गड़ी हैं
जिनकी पूँछें बड़ी ही हरी हैं
हरी पूँछें तो सीधी खड़ी हैं
कुछ मूलियाँ खुदी ही पड़ी हैं
मूलियों की क्यारी में
मूलचंद माली की बाड़ी में
रूपचंद माली की बाड़ी में

मोर दो हैं गिलहरी कई सारी
और चिड़ियायें तो ढेर सारी
फौज चूहों की भी है तैयारी में
हरियाराम माली की बाड़ी में
मौसरियाराम माली की बाड़ी में

उस क्यारी में आलू गड़े हैं
सारे आलू ही आलू बड़े हैं
झूलते हैं भालू खड़े हैं
भालू आलू ही खाने अड़े हैं
रात ही से वहाँ पर खड़े हैं
दूर जंगल पहाड़ी में
रामफूल माली की बाड़ी में
श्रीफूल माली की बाड़ी में

क्यारी बरवे में पानी नहीं हैं
क्या कुएँ में भी पानी नहीं हैं
कब से इंजन नहीं चल रहा है
कब से पानी नहीं मिल रहा है
यहाँ बिल्कुल ही सूखा पड़ा है
सींगरी की क्यारी में
दमगीरालाल माली की बाड़ी में
हीरालाल माली की बाड़ी में

अंधियाला बादल घिरा है
कितना घना कोहरा है
झरना सा झर झर रहा है
पाले का डर लग रहा है
गंभीरालाल माली की बाड़ी में
हीरालाल माली की बाड़ी में

- प्रभात

www.rajteachers.com

पानियों की गाड़ियों में

पानियों की गाड़ियों में
बैठ गयी मछली
झाड़ियों की गाड़ियों में
बैठ गयी तितली
उतरने का मन नहीं करता है
किराया भी नहीं लगता है

हवाओं की गाड़ियों में
बैठ गयी बदली
घटाओं की गाड़ियों में
बैठ गयी बिजली
उतरने का मन नहीं करता है
किराया भी नहीं लगता है

• प्रभात

बंदर

मैं भी बंदर तू भी बंदर
नाचो साथी मस्त कलंदर
नानी कहती छूँ लगी थी
दादी कहती छूँ लगी थी
मैंने रगड़ा तूने रगड़ा
हो गया झगड़ा वानर आया
सब बच्चों ने शोर मचाया
एक नया बंदर घबराया
वह आया था चंद्रलोक से
लाया मिट्टी बाँध काँख से
मैं भी बोला तू भी बोला
आ भई बंदर चंदर बंदर
करें परीक्षण सारे बंदर
मिल कर बोलो, जय जय बंदर
जय जय बंदर, जय जय बंदर
मैं भी बंदर, तू भी बंदर.

भालू

एक मदारी लाया भालू
नाम था उसका मोटा कालू
लंबे लंबे काले बाल
धीमी धीमी उसकी चाल
एक मदारी...

है वो इतना हट्टा कट्टा
लेकिन मुँह पर बाँधा पट्टा
नहीं किसी को सकता काट
जाता सीधा अपनी बाट
लंबे लंबे काले बाल
धीमी धीमी उसकी चाल
एक मदारी...

डमरू जब मदारी बजाये
भालू नाच दिखाता जाये
डमरू बाजे डम डम डम
भालू नाचे छम छम छम
लंबे लंबे काले बाल
धीमी धीमी उसकी चाल
एक मदारी...

www.rajteachers.com

नानी

नानी प्यारी नानी
कह तो एक कहानी
मुन्ने मेरे राजा मेरे पास आजा
आ मैं आज सुनाऊँ तुमको एक कहानी
नानी प्यारी नानी
कह तो एक कहानी

एक तो छोटा जंगल
जंगल में एक चिड़िया
दो थे उसके बच्चे
एक बच्चों की नानी
आगे कहो कहानी
सुन कर फिर से बोली
चिंटू जी की नानी

एक दिन चिड़िया रानी
लेने दाना पानी
छोड़ के दोनों बच्चों को
चल दी चिड़िया रानी
फिर बिल्ली मौसी आयी
बच्चे देख लुभाई
देख के दोनों बच्चों को
मुँह में भर आया पानी

चुन्नू मुन्नू घेबराय
मदद को फिर वेचिल्लाये
बचाओ ऽ ऽ ऽ ऽ बचाओ ऽ ऽ ऽ ऽ
बंदर मामा आये भागी बिल्ली रानी
अच्छा अच्छा नानी राजा खत्म कहानी
सो जा मेरे मुन्ने अब सोयेगी नानी

क्यों ?

गाड़ी छुक छुक करती क्यों ?
कोयले से मुँह भरती क्यों ?

कहे कबूतर गुटरँ गू
कुत्ते की दुम टेढ़ी क्यों ?

तारे चम चम चमके क्यों ?
सूरज नभ में दमके क्यों ?

धमकाते हैं चाचा क्यों ?
मारे तो तमाचा क्यों ?

मम्मी मुझको मोसे क्यों ?
रोने पर पुचकोसे क्यों ?

बाबा पान चबाते क्यों ?
मुँह से खून गिरोते क्यों ?

भैया दिन भर लिखता क्यों ?
शीशे में मुँह दिखता क्यों ?

बबंदर की दुम

दायें बायें बंदर जाये
दुम भी पीछे पीछे आये
गोल गोल वह बंदर घूमे
दुम भी चक्कर खाये
आगे भागा पीछे भागा
कूदा ऊपर नीचे
और घूम कर देखा उसने
दुम पीछे की पीछे

www.rajteachers.com

घंटाघर

घंटाघर भई घंटाघर
घंटाघर में चार घड़ी
चारों में जंजीर पड़ी
जब भी घंटा बजता था
खड़ा मुसाफिर रुकता था
रुकता था वो बीच सड़क
नई सड़क पर बोया बाजरा
आगे देखो शहर शाहदरा
शाहदरा में लग गयी आग
आगे देखो गाजियाबाद
गाजियाबाद में हो गयी चोरी
आगे देखो दिल्ली की मोरी
दिल्ली की मोरी पर लट्ठा
उस पर बैठा सुग्गा

नटखट

एक था खटखट बहुत ही नटखट
एक दिन झटपट गया वो पनघट
जमघट में हो गयी उसकी खटपट
लोगों ने बोला चल हट चल हट
पर अड़ गया खटखट पिट गया पट पट
पट पट पट पट कट कट कट कट
ताड़ा डाड़ा डाड़ा डुम्ब
और फिर भागा खटपट झटपट
झट झट झट झट पट पट फट फट
झट पट खटपट

चिड़िया

चिड़िया ओ चिड़िया कहाँ है तेरा घर
उड़ उड़ आती है जहाँ से फर फर
उड़ उड़ जाती है जहाँ को फर फर

इमली के एक बड़े घने पेड़ पर
घास फूस तिनकों से बना मेरा घर
उड़ उड़ आती हूँ यहीं से फर फर
उड़ उड़ जाती हूँ यहीं को फर फर

नाई देखा

क्या तुमने नाई देखा नाई देखा जी
हां हमने नाई देखा नाई देखा जी
वो तो खूब करता खूब करता
खूब करता जी

क्या तुमने धोबी देखा धोबी देखा जी
हां हमने धोबी देखा धोबी देखा जी
वो तो खूब करता खूब करता
खूब करता जी

क्या तुमने मोची देखा मोची देखा जी
हां हमने मोची देखा मोची देखा जी
वो तो खूब करता खूब करता
खूब करता जी

तारे

आसमान में निकले तारे
चंदा मामा कितने प्यारे
सबके मन को बहलाते हैं
नई चांदनी दिखलाते हैं
आओ चंदा मामा आओ
अपने घर की बात बताओ
सबके मन को बहलाओ
नई चाँदनी दिखलाओ

www.rajteachers.com

तीन मेंढक

मेंढक तीन घूमने चले
दिन भर गाना बजाना किया
ऐ.... ओ.... चुप ना रेह
रूपया किराया कुछ ना दिया
मेंढक तीन घूमने चले

ओ बादल फेरी वाले
ओ बादल फेरी वाले
ओ बादल फेरी वाले
अब तक तो आ जाना था
क्यों हो गये देरी वाले

हवाओं की ढोलकी
पेड़ों में बजती है
मौसम के बाँस में
बिजली चमकती है
जिसमें तू टाँगे है
गुब्बारे काले काले
ओ बादल फेरी वाले
ओ बादल फेरी वाले

ओ बादल ताँगे वाले
टप टप टप टप आजा
पर्वत की झोली में
घासों के पूल गिरा जा
ऊफ लंबी घामों का
चाबुक चमकाने वाले
ओ बादल फेरी वाले
ओ बादल फेरी वाले

ओ बादल झाड़ूवाले
तू प्यारा मेहतर है
जग भर बुहारता है
क्या तुझसे बेहतर है
दलदर हटाने वाले
ओ बादल झाड़ूवाले
ओ बादल फेरी वाले

जंगल के पेड़ों में
पानी के फूल खिला जा
सूखी हवाओं को
कोहरे के फेन पिला जा
जल रंग बरसाने वाले
जीवन चमकाने वाले
ओ बादल पानी वाले
ओ बादल पानी वाले
अब तक तो आ जाना था
क्यों हो गये देरी वाले
ओ बादल फेरी वाले
ओ बादल फेरी वाले

• प्रभात

बादल

बादल केजी मेंक्या आई
सब की करनेचला सफाई
धो दियेपेड़ धो दी घास
धो दिया सब कुछ आस और पास
धुल गई पटरी धुली दुकान
सड़कों केतालाब बनाये
बच्चेबूढ़ेसभी नहाये

www.rajteachers.com

छुईमुई

छुई मुई आजा निंदिया
चांदनी का झूलो के
आजा निंदिया

पापा भी सोयेमम्मी भी सोयी
सोया भैया....
मैंभी चुप चुप सोऊं गुड़िया
छुई मुई आजा निंदिया
चांदनी का झूलो के
आजा निंदिया

तारों की बारात है
चंदा मामा साथ है
देखो बहना
मीठी मीठी बांसुरी सुनें पखियां
छुई मुई आजा निंदिया
चांदनी का झूलो के
आजा निंदिया

नमक

साँभर झील से भराया
भैरू मारवाड़ी ने
बंजारा नमक लाया
ऊँट गाड़ी में

बर्फ जैसी चमक
चाँदी जैसी गनक
चाँद जैसी बनक
अजी देसी नमक
देखो ऊँट गाड़ी में
बंजारा नमक लाया
ऊँट गाड़ी में

कोई रोटी करती भागी
कोई दाल चढ़ाती आयी
कोई लीप रही थी आँगन
बोली हाथ धोकर आयी
लायी नाज थाळी में
बंजारा नमक लाया
ऊँट गाड़ी में

थोड़ा घर की खातिर लूंगी
थोड़ा बेटी को भेजूँगी
महीने भर से नमक नहीं था
जिनका लिया उधारी दूंगी
लेन देन की मची है धूम
घर गुवाड़ी में
बंजारा नमक लाया
ऊँट गाड़ी में

कब हाट जाना होता
कब खुला हाथ होता
जान बूझ कर नमक
जब न भूल आना होता
फीके दिनों में नमक
डाला मारवाड़ी ने
बंजारा नमक लाया
ऊँट गाड़ी में

- प्रभात

www.rajteachers.com

मुर्गा बोला

मुर्गा बोला कुँकड़ू कू
लेकिन इतनी जल्दी क्यों
रात देर सेसोया था
मैंसपनों मेंखोया था
धूप ठीक सेचढ़ी नहीं
क्यों हैजल्दी इसेपड़ी
मुर्गा बोला कुँकड़ू कू
कुकड़ कुकड़ कर बोलूँ यू
ऐसी क्या नाराजी है
हवा सुबह की ताजी है
सुस्ती छोड़ो के चलो
चलो टहलनेकहीं चलो

बिल्ली के बच्चे

येबिल्ली केबच्चेतीन
खेलकूद मेंरहतेलीन
लंबी दौड़ लगातेहैं
जब चाहेरुक जातेहैं
दाँव पेंच केबार बार
करतब नयेदिखातेहैं
मस्त बड़ेयेबच्चेतीन
कभी लाँघतेखाई को
छिपतेओढ़ चटाई को
चढ़ जातेपेड़ों पर भी
छू लेतेऊँचाई को
खोदा करतेकभी जमीन
येबिल्ली केबच्चेतीन

टब और भालू

टब मेंछिपनेआया भालू
किन्तु नहीं छिप पाया भालू
टब छोटा और भालू था मोटा
राजू बहुत अधिक था खोटा
उसनेजाकर खोल दिया नल
नल सेनिकल पड़ा शीतल जल
जल मेंखूब नहाया भालू
किन्तु डूब न पाया भालू

बिलइया

छोटेमामाजी केघर एक
मोटी सी बिलइया रे
जिसकेछोटेछोटेकान
जिसकेमोटी मोटी आँख
एक लंबी पुछइया.रेछोटेमामाजी....
चौकेमेंजाती
दूध दही खाती
चाटेमलइया रेछोटेमामाजी....
कोनेमेंदुबकी
चूहेकी ताक में
भागेदुबइया.रेछोटेमामाजी....

आलू का परांठा

देख परांठा आलू का
मन ललचाया भालू का
बोला हम भी खायेंगे
कुछ घर पर लेजायेंगे
कहेलोमड़ी ना ना ना
येघर पर लेजाना ना
इतनेसेक्या ना पाऊँगी
खुद भूखी रह जाऊँगी

• [illegible]

www.rajteachers.com

छूटी मेरी रेल

छूटी मेरी रेल रे बाबू
हट जाओ हट जाओ भैया
मैं ना जानूँ फिर कुछ भैया
टकरा जायेगी रेल रे बाबू
छूटी मेरी रेल रे बाबू
धक-धक धक-धक, धू-धू धू-धू
चलती जाये रेल रे बाबू
छूटी मेरी रेल रे बाबू
देखो गार्ड ने दे दी सीटी
टिकिट देखता फिरता टी टी
सीटी हुई टी टी की टी
करती रेलम पेल रे बाबू
छूटी मेरी रेल रे बाबू

चलते पेड़

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते
बांध तने में उसके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते
जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते
भूख सताती अगर अचानक
तोड़ मधुर फल उसके खाते
होता कीचड़ बाढ़ कहीं तो
झट उसके ऊपर चढ़ जाते

बंदर मामा

बंदर मामा पहन पाजामा
दावत खाने आये हैं
सिर पर टोपी पाँव में जूती
पहन बहुत इतराये हैं
देखा रसगुल्ले को ज्यों ही
मुँह में रखा गप्प से
नरम नरम था बड़ा गरम था
जीभ जल गई लप्प से
बंदर मामा पहन पाजामा
आँसू भर भर रोये हैं
भागे भागे घर को आये
बिस्तर पर जा सोये हैं

काका आये

बहुत दिनों में काका आये
सोनू ने पूछा क्या लाये
काका पहले तो मुस्काये
फिर थोड़े से अंगूर दिखाये
गुड़िया ने अंगूर उठाया
सोनू का भी मन ललचाया
धीरे से मुँह में सरकाया
खाते ही मुँह बिचकाया
खट्टे हैं अंगूर बताये
बहुत दिनों में काका आये

गेंद तड़ी

है कसरत दमदार बड़ी
गेंद तड़ी भाई गेंद तड़ी
भागो भागो हाथ ना आओ
जम कर लंबी दौड़ लगाओ
पल भर रुके कि गेंद पड़ी
गेंद तड़ी भाई गेंद तड़ी

• कन्हैया लाल मत्त

www.rajteachers.com

चुहिया

राकेट पर चढ़ चुहिया रानी
चली चाँद के देश
सिर पर टोप लबादा तन पर
अजब बनाये भेष

हाथ मिला कर टाटा कर के
बोली वो गुड बाई
घर्रघर्र की आवाज तभी
कानों में पड़ी सुनाई

भारी आग छोड़ता रॉकेट
ऊपर उठा गर कर
चारों खाने चित आ गिरी
चुहिया रानी डर कर

बतूता

इब्न बतूता पहन के जूता
निकल पड़े तूफान में
थोड़ी हवा नाक में घुस गयी
घुस गयी थोड़ी कान में
कभी नाक को कभी कान को
मलते इब्न बतूता
इसी बीच में निकल पड़ा
उनके पैरों का जूता
उड़ते उड़ते जूता उनका
जा पहुँचा जापान में
इब्न बतूता खड़े रह गये
मोची की दुकान में

• [illegible]

बिजली

बड़ी शरम की बात है बिजली
बड़ी शरम की बात

जब देखो गुल हो जाती हो
ओढ़ के कम्बल सो जाती हो
नहीं देखती हो यह दिन है
या यह काली रात है बिजली
बड़ी शरम की बात
बड़ी शरम की बात है बिजली
बड़ी शरम की बात

हम गाना गाते होते हैं
या खाना खाते होते हैं
पता नहीं चलता थाली में
किधर दाल औ भात है बिजली
बड़ी शरम की बात
बड़ी शरम की बात है बिजली
बड़ी शरम की बात

जाओ मगर बता के जाओ
कुछ तो शिष्टाचार निभाओ
नोटिस दिये बिना चल देना
तो भारी उत्पात है बिजली
बड़ी शरम की बात
बड़ी शरम की बात है बिजली
बड़ी शरम की बात

• दामोदर अग्रवाल

www.rajteachers.com

टिल्लू

कविता करनेबैठा टिल्लू
कागज कलम संभाल
बस इतना ही लिख पाया था
हम भारत केलाल
इतनेमेंआ चढ़ा गोद में
उसका कुत्ता काला
लुढक गई दवात हो गया
सब गड़बड़ घोटाला

टनक टन टोपी

टनक टन टोपी
सुआका भाई गोपी
किसे दे गया रे
किसे दे गया रे

टनक टन टोपी
सुआका भाई गोपी
पहन के गया रे
पहन के गया रे

टनक टन टोपी
सुआका भाई गोपी
कहाँ पे गया रे
कहाँ पे गया रे

टनक टन टोपी
सुआका भाई गोपी
भेड़ों में गया रे
भेड़ों में गया रे

टनक टन टोपी
सुआका भाई गोपी
कब ला के देगा रे
कब ला के देगा रे

साँझ की बेरें
आयेंगी भेड़ें
टनक टन टोपी
सुआका भाई गोपी
आते ही देगा रे
आते ही देगा रे

• प्रभात

शेख चिल्ली

एक था शेख चिल्ली
उसनेपाली बिल्ली
बिल्ली गयी दिल्ली
दिल्ली मेंथी किल्ली
किल्ली ऊपर चढ़ गयी बिल्ली
सबनेउड़ायी खिल्ली

एक चपाती

ताती ताती एक चपाती
दिखी तवेपर पड़ी फुलाती
बिल्ली मौसी बोली म्याऊँ
भूख लगी मैं तुझको खाऊँ
सुन कर उछली दूर चपाती
बोली फिर आँखेंमटकाती
मौसी पहलेमक्खन ला
फिर चाहेमुझको खा जा

• **रमेश तैलंग**

www.rajteachers.com

बादल भैया

आजा बादल भैया
जल बरसा जा भैया
खेत हमारे प्यासे हैं
पेड़ हमारे प्यासे हैं
प्यासी गैया मैया. आजा बादल.....
बाग बगीचे प्यासे हैं
कुएँ हमारे प्यासे हैं
प्यासे ताल तलैया. आजा बादल.....
पिंजरे में मिट्ठू प्यासा
आँगन में मोती प्यासा
प्यासी सोन चिरैया. आजा बादल.....
देख गुटर गूँ प्यासे हैं
मोर मोरनी प्यासे हैं
पी-पी करे पपैया. आजा बादल भैया.....
धरती पर आ जाओ तुम
रिमझिम जल बरसाओ तुम
आजा बादल आजा
अब तो बादल आजा
अब धरती पर आजा
हमसे हाथ मिला जा
बुला रहे सब आजा
दूध बतासा खाजा
आजा आजा आजा
आजा बादल आजा

नन्हा खरगोश

छोटा सा नन्हा खरगोश
देखो देखो उसका जोश
धूप तापता दौड़ लगाता
फिर झट झाड़ी में घुस जाता

चूहा

वह देखो वह आता चूहा
आँखों को चमकाता चूहा
मूँछों में मुस्काता चूहा
लंबी पूछ हिलाता चूहा
मक्खन रोटी खाता चूहा
बिल्ली से डर जाता चूहा

- रमेश तैलंग

धम्मक धम्मक

धम्मक धम्मक आता हाथी
धम्मक धम्मक जाता हाथी
कितने केले खाता हाथी
यह तो नहीं बताता हाथी
जब पानी में जाता हाथी
भर भर सूँड़ नहाता हाथी
धम्मक धम्मक आता हाथी
धम्मक धम्मक जाता हाथी

मेरी जान अकेली है

सुनो सुनो इक बात बताऊँ
कैसी अजब पहेली है
जिधर जिधर मैं नजर घुमाऊँ
सारी दुनिया मेरी है
दादा जी पूरब में रहते
पश्चिम में हैं नाना जी
दोनों ही चिट्ठी में लिखते
छुट्टी में घर आना जी
किस किस के घर छुट्टी काटूँ
मेरी जान अकेली है

- ओम प्रकाश कश्यप

www.rajteachers.com

अगर मगर

अगर मगर दो भाई थे
लड़तेखूब लड़ाई थे
अगर मगर सेछोटा था
मगर मगर सेखोटा था
अगर अगर कुछ कहता था
मगर नहीं चुप रहता था
बोल बीच मेंपड़ता था
और अगर सेलड़ता था
अगर एक दिन झल्लाया
गुस्सेमें भर कर आया
और मगर पर टूट पड़ा
हुई खूब गुत्थम गुत्था
छिड़ा महाभारत भारी
गिरी मेज कुर्सी सारी
माँ यह सुन कर घबराई
बहन लेबाहर आयी
दोनों को दो दो झड़ कर
अलग कर दियेअगर मगर

• निरंकार देवसेवक

[illegible]

तलैया में दो मेंढक हैं
तलैया में दो मेंढक हैं

दादुर दल के वीर नाम
डगडग और ढकढक हैं
छलागें छपछप भरते हैं

बगुला मछली जलसाँप
किसी से भी नहीं डरते हैं
कूदते फिरते हैं लहरों में
उनसा गोताखोर
नहीं कोई और
उतरते गड्ढे गहरों में

चाल पल पल में बदलते हैं
वे जल थल नभ के वीर
हवा को चीर
बादलों के संग चलते हैं

मगर कोई उनसे नहीं लड़ता
कोई भी नहीं लड़े
वीर क्या करें
सेल ये छाती में गड़ता

हो रही दिल में धकधक है
रण कौशल जायेंगे बीत
मिलेगी कब जीत
कंठ में टकटक टकटक है

• प्रभात

तितली रानी

तितली रानी तितली रानी
तुम हो चंचल बड़ी सयानी
डाल डाल पेझूमती हो
फूल फूल को चूमती हो
इतनी मस्ती मेंमत आओ
इन पंखों पर मत इतराओ

www.rajteachers.com

एक बुढ़िया

एक बुढ़िया ने बोया दाना
गाजर का था पेड़ लगाना
थोड़ी थोड़ी घास बढ़ी
गाजर हाथों हाथ बढ़ी
सोचा तोड़ उसे ले आऊँ
हलवा गर्मागर्म बनाऊँ
खींची चोटी जोर लगाया
नहीं बना भई नहीं बना
काम हमारा नहीं बना
और बुलाओ एक जना
फिर बुढ़िया का बेटा आया
खींची चोटी जोर लगाया
नहीं बना भई नहीं बना
काम हमारा नहीं बना
और बुलाओ एक जना
फिर बुढ़िया की बेटी आयी
खींची चोटी जोर लगाया
नहीं बना भई नहीं बना
काम हमारा नहीं बना
और बुलाओ एक जना
फिर बुढ़िया का बुड्ढा आया
खींची चोटी जोर लगाया
नहीं बना भई नहीं बना
काम हमारा नहीं बना
और बुलाओ एक जना
फिर बुढ़िया की पोती आयी
खींची चोटी जोर लगाया
बना गया भई गया
काम हमारा बन गया

भोला और भालू

हुआ सवेरा मुर्गा बोला
घर से चला टहलने भोला
मिला राह में उसको भालू
लगा माँगने रोटी आलू
आलू बिकने आया हाट में
भालू सोने आया खाट में
टूटी खाट गिर पड़ा भालू
अब न चाहिये रोटी आलू

- **श्री नाथ सिंह**

अटकन बटकन

अटकन बटकन दही चटोकन
बाबा लाये टॉफी
एक टाफी टूटी
मुनिया बिटिया रूठी
अटकन बटकन दही चटोकन
बाबा लाये बरफी
एक बरफी टूटी
मुनिया बिटिया रूठी
अटकन बटकन दही चटोकन
बाबा लाये गुड़िया
गुड़िया की आँख फूटी
मुनिया बिटिया रूठी
टॉफी तो बहुतेरी
बरफी तो बहुतेरी
गुड़िया भी बहुत
फिर क्यों मुनिया रूठी
रूठी झूठी मूठी

- द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

www.rajteachers.com

एक किश्ती

एक छोऽऽटी किश्ती मेऽऽरे पास
वो नईऽऽ बनवाई
नीऽऽली रंगवाई
और पानी में तैराई
एक मेंऽऽढक बैठा मेरे पास
उसने ऽऽ देखा
मुझको ऽऽ घूरा
और कूऽऽदा किऽऽश्ती में
मेरी किऽऽश्ती डगमगा गई
वो दूऽऽर बह गई
आँख से छुप गई
और पाऽऽनी में डूब गई

कोयल रानी

कोयल रानी कोयल रानी
कहाँ मिली यह मीठी बानी
किसी नदी ने दावत में क्या
तुझे पिलाया शक्कर पानी

• शकुंतला सिरोठिया

चना किसने बोया

चना किसने बोया किसने बोया
किसने बोया रे
चना मैंने बोया तुमने बोया
सबने बोया रे
खाद किसने डाली किसने डाली
किसने डाली रे
खाद मैंने डाली तुमने डाली
सबने डाली रे
पानी किसने डाला किसने डाला
किसने डाला रे
पानी मैंने डाला तुमने डाला
सबने डाला रे
चना कैसे बढ़ा कैसे बढ़ा
कैसे बढ़ा रे
चना ऐसे बढ़ा ऐसे बढ़ा
ऐसे बढ़ा रे
चना किसने तोड़ा किसने तोड़ा
किसने तोड़ा रे
चना मैंने तोड़ा तुमने तोड़ा
सबने तोड़ा रे
चना किसने खाया किसने खाया
किसने खाया रे
चना मैंने खाया तुमने खाया
सबने खाया रे
चना कैसा लगा कैसा लगा
कैसा लगा रे
चना अच्छा लगा अच्छा लगा
अच्छा लगा रे
गाना किसने गाया किसने गाया
किसने गाया रे
गाना मैंने गाया तुमने गाया
सबने गाया रे
गाना कैसा लगा कैसा लगा
कैसा लगा रे
गाना अच्छा लगा अच्छा लगा
अच्छा लगा रे

www.rajteachers.com

छलाँग छू-छू

छलाँग-छू छलाँग-छू छलाँग-छू
पेड़ों पर जब बन्दर कूदे छलाँग-छू
पेड़ों पर जब चिड़िया चहके छलाँग छू
जंगल में चिड़ियों का
बंदरों का राज है
छलाँग-छू छलाँग-छू छलाँग-छू
नदियों में जब मेंढक कूदे छलाँग-छू
नदियों में जब मछली तैरे छलाँग-छू
नदियों में मेंढकों का
मछलियों का राज है
छलाँग-छू छलाँग-छू छलाँग-छू

सवेरे स्टेशन

छुक छुक करती रेल चली
शोर मचाती रेल चली
इंजन धुआँ उड़ाता है
सरपट दौड़ लगाता है
कितने सारे लोग यहाँ
इधर उधर है भीड़ जमा
कितने डिब्बे इधर खड़े
कितने इंजन बड़े बड़े

मेरे मोटे चाचा जी

मोटे चाचा जी मोटे चाचा जी
बड़ी नींद वाले हैं मोटे चाचा जी
मोटे चाचा जी की मूँछ
जैसे बिल्ली की पूँछ
मोटे चाचा जी मोटे चाचा जी
मोटे चाचा जी की आँख
जैसे नीबू की फाँक
मोटे चाचा जी मोटे चाचा जी
मोटे चाचा जी की पीठ
जैसे रेलगाड़ी की सीट
मोटे चाचा जी मोटे चाचा जी
मोटे चाचा जी का पेट
जैसे इण्डिया का गेट
मोटे चाचा जी मोटे चाचा जी

मेरी गुड़िया

मेरी गुड़िया सो जा
लाल पलंग पर सो जा
कुत्ता तबला बजा रहा है
नाच रही है बिल्ली
कुत्ता जाये कलकत्ता
बिल्ली जाये दिल्ली
घोड़ा बाबू ढोल बजाये
बछड़ा जी सारंगी
बंदर बाबू काम न करते
खाते हैं नारंगी
जंगल में नारंगी होती
जब होती है शादी
हाथी दादा माल उड़ाते
बन कर के बाराती
मेरी नन्हीं सो जा
प्यारी बिटिया सो जा
लाल पलंग पर सो जा

www.rajteachers.com

रामू जंगल में गया

रामू जंगल में गया
वहाँ देखा एक तोता
रिम झिम रिम झिम पानी बरसा
वाह भाई वाह भाई कहता
नदी किनारे है इमली
उस पर बैठी थी तितली
तितली ने चूहे को पीटा
घर से बाहर घसीटा
रिम झिम रिम झिम पानी बरसा
वाह भाई वाह भाई कहता
उड़ती हुई ढोलक आई
तितली ने भी आँख लड़ाई
झट से बैठी ढोलक में
फुर्र गई वो नभ में
रिम झिम रिम झिम पानी बरसा
वाह भाई वाह भाई कहता
रामू जंगल में गया
वहाँ देखा एक तोता

अम्मा मुझे

अम्मा मुझको छोटा सा बाजा ला दो
बाजा लाऊँगा उसको बजाऊँगा
मैं तुम सबको नाच नचाऊँगा
अम्मा मुझको छोटा सा बाजा ला दो
अम्मा मुझे छोटी सी गुड़िया ला दो
गुड़िया लाऊँगा शादी रचाऊँगा
शादी रचाऊँगा लड्डू बनाऊँगा
मैं तुम सबको लड्डू खिलाऊँगा
अम्मा मुझको छोटा सा बाजा ला दे
अम्मा मुझको छोटी सी कार ला दो
कार लाऊँगा उसको चलाऊँगा
उसको चलाऊँगा खुशियाँ मनाऊँगा
तुम सबको गाड़ी में बैठाऊँगा
अम्मा मुझको छोटी सी कार ला दो
पुस्तक लाऊँगा कहानी सुनाऊँगा
मैं तुम सबको गीत सुनाऊँगा
अम्मा मुझको छोटा सा बाजा ला दो

टिम टिम

टिम टिम करते तारे आ रे भैया आ रे
आ के नाच दिखा रे आ रे भैया आ रे
भालू भी आया बन्दर भी आया
चूहा भी आया मेंढक भी आया
आ के नाच दिखा रे आ रे भैया आ रे
टिम टिम .....
भालू ढोल बजायेगा
बंदर नाच दिखायेगा
बड़ा मजा तब आयेगा.
टिम टिम .....
शेर भी आया हिरण भी आया
तोता भी आया मोर भी आया
आ के नाच दिखा रे आ रे भैया आ रे
टिम टिम .....
शेर गाना गायेगा
हिरण नाच दिखायेगा
बड़ा मजा तब आयेगा
टिम टिम .....

www.rajteachers.com

मुट्ठी में क्या है

नन्हे मुन्ने बच्चे
तेरी मुट्ठी में क्या है
मुट्ठी में है तकदीर हमारी
हमने किस्मत को
बस में किया है
नन्हे मुन्ने बच्चे
तेरी मुट्ठी में क्या है

भोली भाली मतवाली
आंखों में क्या है
आँखों में झूमे
उम्मीदों की दीवाली
आनेवाली दुनिया का
सपना खिला है
नन्हे मुन्ने बच्चे
तेरी मुट्ठी में क्या है

भीख में जो मोती मिले
लोगे या ना लोगे
जिंदगी में आसुँओं की
माला पहनोगे
मुश्किलों से लड़ते लड़ते
जीने में मजा है
नन्हे मुन्ने बच्चे
तेरी मुट्ठी में क्या है

हमसे ना छिपाओ बच्चों
हमें तो बताओ
आनेवाली दुनिया में
सबका राज होगा
ना भूखों की भीड़ होगी
ना भूखों का नाम होगा
बदलेगा जमाना
इन सितारों में लिखा है
नन्हे मुन्ने बच्चे
तेरी मुट्ठी में क्या है

चिड़िया तू घर क्यों नहीं जा रही है

चिड़िया तू घर क्यों
नहीं जा रही है
घर को गये ग्वाले
गैया भी गयी घर को
सूरज गड़रिया भी
तय कर सफर को
लेकिन तू मजे से बन के
गीत गा रही है

चिड़िया तू घर क्यों
नहीं जा रही है

सारी सारी साँझ खेले
खूब न्हावे रेत में
रात में बिलाव आवे
बाजरे के खेत में
जाड़े में मरेगी ठंडी
शीत आ रही है
चिड़िया तू घर क्यों
नहीं जा रही है

- प्रभात

www.rajteachers.com

बोल मेरी मछली

हरा समुंदर गोपी चंदर
बोल मेरी मछली कितना पानी
इतना पानी इतना पानी
इतना पानी इतना पानी

मछली कितनी सुंदर है
पानी में वो रहती है
सीप के मोती चुनती है
परियों जैसी लगती है
हरा.....

काली मछली पीली मछली
मछली मछली सुंदर मछली
आंख है उसकी मोती जैसी
झिलमिल झिलमिल करती है
हरा.....

सुनहरे आंखों वाली है
चिकने पातों वाली है
ऊपर नीचे आती है
जीभ हमें चिढ़ाती है
हरा.....

नाव चली

नाव चली नाव चली नाव चली रे
हम सबको लेकर गांव चली रे
हैया हो हैया हो हैया हो हो

नीचे है पानी की धार
सर्र... सर्र... सर्र... सर्र...
उस पर पड़ते चप्पू बार बार
छप छप छपाक छप
नाव चली .....

आसमान में तारे हजार
हमको जाना है उस पार
हिलडुल कर हिलडुल कर
नाव चली रे
हम सबको लेकर गांव चली रे
हैया हो हैया हो हैया हो हो

हम्पा डम्पा

हम्पा डम्पा ला रेला
ला रेलम्पा ला रेला

डम डमा डम ढोल बाजे
मृदम मृदम मृदंग बाजे
आय रे ताय रे पीर मधुर तान
तान हमर नाचे रे मान हमर नाचे रे
भौंरा गौंगे....भौंरा गौंगे.....
लोरिया की शान - 3

हम्पा डम्पा ला रेला
ला रेलम्पा ला रेला

स्यौत स्यौत चलो नदिया के तीर
आय रे ताय रे मच्छी पकड़ लायें 2
चलो नदिया के तीर
चलो नदिया के तीर
चलो नदिया के ती.....र.....

रामनारायण का बाजा

रामनारायण बाजा बजाता
सिरी री री री ..... सीटी बजाता-2
रामनारायण बाजा बजाता

ढम ढम ढम ढम ढोलक बजाता
रामनारायण बाजा बजाता

टन टन टन टन घंटी बजाता
रामनारायण बाजा बजाता

पों पों पों पों भोंपू बजाता
रामनारायण बाजा बजाता

छम छम छम छम घुंघरू बजाता
रामनारायण बाजा बजाता

सोन चिरैया

सोन चिरैया फर फर उड़ कर
बादल के घर जायेगी
ठंडा ठंडा पानी पीकर
गट गट प्यास बुझायेगी

सोन चिरैया फर फर उड़ कर
जंगल जंगल जायेगी
अच्छे अच्छे प्यारे प्यारे
फूल फलों को लायेगी

सोन चिरैया फर फर उड़ कर
खेतों खेतों में जायेगी
खेतों खेतों में दाना चुग कर
अपना पेट फुलायेगी

सोन चिरैया फर फर उड़ कर
मेरे घर भी आयेगी
अपने पंखों पर बैठा कर
नभ की सैर करायेगी

बींन बड़े मजेदार

डाली डाली चने की दाल
बींन बड़े मजेदार

जब मैं बींन खरीदने गयी थी – 2
बींन खरीदे दो चार
बींन बड़े मजेदार
डाली डाली.....

जब मैं बींन काटण बैठी – 2
अंगुली कटी दो चार
बींन बड़े मजेदार
डाली डाली.....

जब मैं बींन छौंकन बैठी – 2
हंडिया फूटी दो चार
बींन बड़े मजेदार
डाली डाली.....

जब मैं बींन खाने को बैठी – 2
अंगुली खा गयी दो चार
बींन बड़े मजेदार
डाली डाली.....

www.rajteachers.com

मोटूराम हलवाई

मोटूराम हलवाई भई
मोटूराम हलवाई
खातेखूब मिठाई भई
मोटूराम हलवाई

मोटूराम को काम न दूजा
दिन भर करतेपेट की पूजा
खातेखूब मिठाई भई
मोटूराम हलवाई
मोटूराम.....

मोटूराम केबेटेचार
दर्जी धोबी और लुहार
चौथा बेटा नाई
भई मोटूराम हलवाई
मोटूराम.....

मोटूराम की टोपी हैनीली
सर पर टोपी पीली पीली
भई मोटूराम हलवाई
मोटूराम.....

टमाटर

आहा टमाटर बड़ा मजेदार
आहा टमाटर बड़ा मजेदार

एक बार चूहेनेखाया
बिल्ली को मार गिराया
बिल्ली को भी मार गिराया

आहा टमाटर बड़ा मजेदार
आहा टमाटर बड़ा मजेदार

एक बार बिल्ली नेखाया
कुत्तेको मार गिराया
कुत्तेको भी मार गिराया

आहा टमाटर बड़ा मजेदार
आहा टमाटर बड़ा मजेदार

एक बार कुत्तेनेखाया
शेर को मार गिराया
शेर को भी मार गिराया

आहा टमाटर बड़ा मजेदार
आहा टमाटर बड़ा मजेदार

एक बौं

एक बौं पानी मेंरहता था
भारी जंगल केकिनारेकिनारे
बो राजा मोटा ताजा
खुशी उसका जीवन
केकड़ा काकड़ा
कीड़ेमकोड़े

ऊँऊँऊँ

ऊँ रेऊँ
लेी काली कमली
लाल दुशाला हुऊँू
लेबच ्चेरोवेंआलेमें
तू कूद पड़ा परनोमें
तू मरियो नद्दी नालेमें

www.rajteachers.com

लड्डू भाई

लड्डू भाई गोल मटोल
बोलो बोलो कितनेमोल

तुम राजा पकवानों में
सजतेबड़ी दुकानों में
भीतर मीठा स्वाद लिये
भीतर रंग का सुदर झोल. लड्डू...

हलवाई को प्यारेहो
सबकेराजदुलारेहो
तुम्हेंदेख कर हो जाती है
अपनी हालत डांवाडोल. लड्डू...

जब जब दीखेथाल भरे
सबकेमुँहसेलार गिरे
आ जाओ ना दूर रहो
क्यों करतेहो टालमटोल. लड्डू...

सालगिरह हो अनीता की
शादी हो या जफर की
लोग तुम्हेंबनवातेहैं
बजा बजा कर बाजेढोल. लड्डू...

जादू की गठरी

जादू की एक गठरी लाँऊ
बच्चों मेंबच्चा बना जाऊँ
एक जेब सेखेल निकालूँ
एक जेब सेभालू
दोनों को झटपट खा जाऊँ
जादू की जो गठरी लाँऊ

- दामोदर अग्रवाल

खरगोश

धुनी रूई केगोलेजैसा
मनमोहक खरगोश
चाहेजितना इसेछेड़िये
रहता हैखामोश
मन करता हैइसेगोद में
लेकर खूब दुलार
अपनेएलबम मेंरखनेको
इसका चित्र उतारें

- [illegible]

बागों में है फूल खिले

बागों मेंहैफूल खिले
देखो कितनेफूल खिले
तितली रानी तुम भी आओ
तितली रानी आओ

गुन गुन भंवरा आया
सुन सुन भंवरा आया – 2
बागों मेंहै....

कोयल रानी तुम भी आओ
मीठा अपना गीत सुनाओ
बागों मेंहै....

मोर राजा तुम भी आओ
झूम झूम कर नाच दिखाओ
बागों मेंहै....

www.rajteachers.com

अगर नहीं मैं होता

इस बेढंगी सी दुनिया में
अगर नहीं मैं होता
सोचो दुनिया कैसी लगती
और मेरा क्या होता
अध्यापक तब कक्षा में
मुर्गा किसे बनाता
और बना कर मुर्गा किससे
कुकड़ूँ कूँ करवाता
माँ किसके तब कान खींचती
पापा किस पर गुस्सा होते
दादा दादी किसे प्यार से
अपने पास बुलाते
लिख लिख कर तब कौन सैकड़ों
पन्ने काले करता
इन पन्नों से संपादक का
दफ्तर कैसे भरता

• पीयूष वर्मा

घोड़े की सवारी

घोड़े पर हो के सवार
चले सैर को टिल्लू यार
मगर उन्हें कुछ रहा ना ध्यान
ऐसा मारा कोड़ा तान
घोड़ा भागा सरपट चाल
बुरा हुआ टिल्लू का हाल
आगे जा कर आया खेत
जिसमें था कुछ ज्यादा रेत
गिरे वहीं पर टिल्लू यार
कभी नहीं फिर हुए सवार

• **श्री प्रसाद**

मेरी नानी

मेरी नानी बड़ी है भोली
हँसमुख चेहरा मीठी बोली
हरदम पूछे सबका हाल
नानी जिये हजारों साल

बाँकी बाँकी धूप

खिड़की ज्यों ही खुली कि आ कर
अंदर झाँकी धूप
आ कर बैठ गयी सोफे पर
बाँकी बाँकी धूप
बैठे मजे से लगी पलटने
रंग बिरंगे पन्ने
पलट चुकी तो बोली आओ
चलो पकायें गन्ने
और पकाने लगी ईख को
फाँकी फाँकी धूप

• **दामोदर अग्रवाल**

बंदर मामा

सुबह सुबह बंदर मामा ने पहना चूड़ीदार
तभी बंदरिया लगी पूछने
कहाँ चले सरकार
बोला बंदर टोक मुझे मत
जागी है तकदीर
नये वर्ष में शेर सिंह का
मैं हूँ नया वजीर

आ रे बादल

आ रे बादल कारे बादल
आओ जरा झूम के
अपने संग ठंडी हवा
लाओ जरा झूम के

दूर कोई मीठी मीठी बाँसुरी बजाय
मेरा मन धीरे धीरे वहाँ चला जाय
सुनो धरती सुनो गगन सुने पवन
आ रे बादल ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ. आ रे...

पंछियों की टोली देखो उड़ी उड़ी जाये
मेरा मन धीरे धीरे वहाँ चला जाय
सुनो धरती सुनो गगन सुने पवन
आ रे बादल ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ. आ रे...

आसमाँ में झिलमिलाते तारे टिमटिमाये
मेरा मन धीरे धीरे वहाँ चला जाय
सुनो धरती सुनो गगन सुने पवन
आ रे बादल ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ. आ रे...

लस्सी का कटोरा

पी गया बाबा लस्सी का कटोरा
लस्सी का कटोरा बाबा लस्सी का कटोरा

खा गया बाबा छाबा रोटी कांदा
छाबा रोट कांदा बाबा छाबा रोटी कांदा
पी गया बाबा....

दे गया बाबा एक अधन्ना
एक अधन्ना बाबा एक अधन्ना
पी गया बाबा....

दे गया बाबा दो दुआयें
दो दुआयें बाबा दो दुआयें
पी गया बाबा....

नानी और टी वी

नानी से अब कोई
सुनता नहीं कहानी
जब से आया टी वी
हुई रिटायर नानी
अब कहानियाँ अपनी
उसको लगे पुरानी
बच्चों के संग टी वी
खुद भी देखे नानी
हर पल नया तमाशा
हर पल नयी कहानी
टी वी तो है जैसे
नानी की भी नानी

सूर्य कुमार गुप्त

गुड़िया रानी

ओ गुड़िया रानी
तू तो बड़ी सयानी
बिल्ली तेरी माँग सजाये
पाँव दबाये कुत्ता
घर में तेरा नौकर भालू
रहता था कलकत्ता

ओढ़ चुनरिया धानी
नाचे गुड़िया रानी
जिसने तुझको आँख दिखायी
मर गयी उसकी नानी

www.rajteachers.com

बंदर की दुम

दायें बायें बंदर जाये
दुम भी पीछे पीछे आये
गोल गोल वह बंदर घूमे
दुम भी पीछे चक्कर खाये

आगे भागा पीछे भागा
कूदा ऊपर नीचे
और घूम कर देखा उसने
दुम पीछे की पीछे

दो चूहे

रज्जु के बेटे ने
मिट्टी के ढेलों में
कद्दू के कई बीज
बोये बोये बोये

रात का अँधेरा था
चूहों का खेल था
दो चूहे बीज खाने
गये गये गये

सुबह को न ढेले थे
न कद्दू के बीज थे
दो चूहे मोटे हो के
सोये सोये सोये

मुर्गी माँ

मुर्गी माँ घर से निकली
झोला ले बाजार चली
बच्चे बोले चें चें चें
अम्मा हम भी साथ चलें

- निरंकार देव सेवक

नंदू की छींक

आई एक छींक नंदू को
एक रोज वह इतना छींका
इतना छींका इतना छींका
इतना छींका इतना छींका
सब पत्ते गिर गये पेड़ के
धोखा हुआ उन्हें आँधी का

कबाड़ी की गाड़ी

पीपल के नीचे रहता था
चूहा एक कबाड़ी
दो दो मेंढक जोत जोत कर
खूब चलता गाड़ी

सीधा सीधा पथ हो चाहे
ऊबड़ खाबड़ झाड़ी
बड़े मजे से उचक उचक कर
चलती उसकी गाड़ी

गप्पू

आलू की पकौड़ी दही के बड़े
मुन्नी का चुन्नी में तारे जड़े
मामू की मंगोड़ी कलमी बड़े
मंगू की छत पर दो बंदर लड़े
खस्ता कचौड़ी कांजी के बड़े
गप्पू जी फिसले तो औंधे पड़े

www.rajteachers.com

गुलगुला

छुट्टी हुई स्कूल की
चढ़ी कढ़ाई तेल की

सुर सुर उठता बुलबुला
छुन छुन सिकता गुलगुला

भुलभुला औ पुलपुला
मीठा मीठा गुलगुला

बिल्ली का सपना

छत पर बैठी बिल्ली मौसी
लगी देखने सपना
एक महल था जहाँ
जन्मदिन मना रही थी अपना
शेर लोमड़ी बंदर भालू
घोड़ा ऊँट सियार
भर भर के चूहों के
डिब्बे लाये थे उपहार
मेहमानों की आँख बचा कर
चूहों पर जो झपटी
हुँ केबल आ गयी सड़क पर
नाक हो गयी चपटी

तितली

बन तितली बन तितली
मैं डाल डाल उड़ जाती हूँ
पहले का रसपान मैं करती
दूजे का रंग रूप चुराती
बन तितली बन तितली
मैं डाल डाल उड़ जाती हूँ

तेरी नदी में

तेरी नदी में डुब्बक डूब
डुब्बक डूब भई डुब्बक डूब

जैसे पानी में मछली तैरे
वैसे उछलें हम भी खूब. तेरी नदी....

जैसे पानी में पथरा फेंके
और उठें बुलबुले खूब. तेरी नदी....

जैसे पानी में हम तैरायें
ऐसी कागज की नावें हैं खूब. तेरी नदी....

दही बड़ा

सारे चूहों ने मिल कर
एक बनाया दही बड़ा
सत्तर किलो दही मँगवाया
फिर छुड़वाया दही बड़ा

दिन भर रहा दही के अंदर
बहुत बड़ा वह दही बड़ा
फिर चूहों ने उसे उठा कर
दरवाजे से किया खड़ा

रात और दिन दही बड़ा
सब चूहे अब खाते हैं
मौज मनाते गाना गाते
कहीं न घर से जाते हैं

- **श्री प्रसाद**

www.rajteachers.com

देल छे आये

बाबा आज देल छे आये
चिज्जी पिज्जी कुछ ना लाये
बाबा क्यों नहीं चिज्जी लाये
इतनी देली से क्यों आये

कां है मेला बला खिलौना
कलाकंद लड्डू का दोना
चूँ चूँ गानेवाली चिलिया
चीं चीं करने वाली गुलिया

चावल खानेवाली चुइया
चुनिया मुनिया मुन्ना भइया
मेला मुन्ना लेली मैया
कां है मुन्ने की मैया

बाबा तुम औ कां छे आये
आँ आँ चिज्जी क्यूँ ना लाये

• श्रीधर पाठक

चंदा मामा

चंदा मामा कहो तुम्हारी
शान पुरानी कहाँ गयी
कात रही थी बैठी चरखा
बुढ़िया नानी कहाँ गयी

सूरज से रोशनी चुरा कर
चाहे जितनी भी लाओ
हमें तुम्हारी चाल पता है
अब मत हमको बहकाओ

है उधार की चमक दमक यह
नकली शान निराली है
समझ गये हम चंदा मामा
रूप तुम्हारा जाली है

बदरी

आसमान में बदरी छायी
ढेर सी बूँदें संग में लायी
टप टप टप टप बूँदें बोलीं
बीजों ने झट आँखें खोलीं
पौधों ने भी ली अँगड़ाई
सबने मिल कर खुशी मनाई
आसमान में बदरी छायी
ढेर सी बूँदें संग में लायी

एक हाथी

एक हाथी
इतना बड़ा
इतना मोटा
हाय राम
देखो तो. एक हाथी....

उसके बड़े बड़े दांत
उसके मोटे मोटे पांव
लंबी सी सूंड
हाय राम
देखो तो. एक हाथी....

उसकी छोटी छोटी आँखें
उसके बड़े बड़े कान
और छोटी सी पूंछ
हाय राम
देखो तो. एक हाथी....

www.rajteachers.com

चयंदा चमके

चंदा चमकेचम-चम चीखेचौकन्ना चोर
चींटी चोढ्यीनी चटोरी चीनीखोर-2
कितना मुश्किल खााना
जरा गाकेदिखाना
चंदा चीनी चमकेचाटे
चौकन्ना चीखेचोर
चंदा चमकेचम-चम चीखेचौकन्ना चोर
चींटी चोढ्यीनी चटोरी चीनीखोर-2

खड़क सिंह केखड़कनेसे
खड़कती हैखिड़कियां
खिड़कियों केखड़कनेसे
खड़कतेहैंखड़क सि ंह-2
कितना मुश्किल खााना
जरा गाकेदिखाना
खड़क खड़क केखड़केखिड़की
खड़क सिंह का खड़केजोर
चंदा चमकेचम-चम चीखेचौकन्ना चोर
चींटी चोढ्यीनी चटोरी चीनीखोर-2

पकेफ़े पर पका पपीता
पका फ़े या पका पपीता
पकेफ़े को पकड़ेपि ंकू
पिंकू पकेफ़्रका पपीता
पक्केफ़े पर पका पपीता पकड़ा पि ंकी
पाकी का कपड़ा
कपड़ा हा...हा...हा...
पकेफ़े पर पका पपीता
पका फ़े या पका पपीता
पकेफ़े को पकड़ेपि ंकू
पिंकू पकेफ़्रका पपीता
कितना मुश्किल खााना
जरा गाकेदिखाना
पकेफ़े पर पका पपीता
पका फ़े या पका पपीता
पकेफ़े को पकड़ेपि ंकू
पिंकू पकेफ़्रका पपीता
चंदा चमकेचम-चम चीखेचौकन्ना चोर
चींटी चोढ्यीनी चटोरी चीनीखोर-2
कितना मुश्किल खााना
जरा गाकेदिखाना
चंदा चीनी चमकेचाटे
चौकन्ना चीखेचोर
चंदा चमकेचम-चम चीखेचौकन्ना चोर
चींटी चोढ्यीनी चटोरी चीनीखोर-2

चकई केचकदुम

चकई केचकदुम – 2
गांव की मैैया साथ रहेंहम तुम.
ग्वालेकी गैया साथ रहेंहम तुम.
कागज की नैया पार करेंहम तुम.
फुलवा की बगिया फूल **चुन** तुम.
चकई केचकदुम कवि बनेंहम तुम
अम्मा की रसोई खाना खायेंहम तुम.
खेल खत्म बहना आओ चलेंहम तुम.

www.rajteachers.com

धोळा धोळा ससला

धोळा धोळा ससला
तमेक्यां चाल ्या
अमेबाग बगीचेजइये
कूड़ा कणखा वीणी खइये
धोळा धोळा एवा
अमेससला रेछीए.धोळा ....

धोळा धोळा बगला
तमेक्यां चाल्या
अमेनदी किनारेजइये
झटपट माछळा वीणी खइये
धोळा धोळा एवा
अमेससला रेछीए.धोळा ....

धोळा धोळा हंसला
तमेक्यां चाल्या
अमेमानसरोवर जइये
सांचा मोती वीणी खइये
धोळा धोळा एवा
अमेससला रेछीए.धोळा ....

ओ मम्मी मनेरे

ओ मम्मी मनेरे
मामा नेघे जावा दे – 2
रस्ता पर पेंमी केवी
ऐ जाय पम पम करती
मोटर मां रेबी ने
मामा नेघे जावा दे ओ..

पाटा पर पेंमी केवी
ऐ जाय छुक छुक करती
गाडी मां रेबी ने
मामा नेघे जावा दे ओ..

पाणी पर पेंमी केवी
ऐ जाय सर सर करती
होडी मां रेबी ने
मामा नेघे जावा दे ओ..

आकाश मां लेमु ं केवु ं
ऐ जाय घर घर करतुं
विमान मां रेबी ने
मामा नेघे जावा दे ओ..

बाला नी बोरडी

बाला नी बोरडी नो बोर,
बोर मनेमीठा लागेछे
अमेए बोर ना चोर
बोर मनेमीठा लागेछे
कनु मनीनु मीना टीना
मामा नो नानो किशोर
बोर मनेमीठा लागेछे बाला..
खेतर वच्चेनानी शी बोरडी
उपर लटकेबोर
बोर मनेमीठा लागेछे बाला..
काचा नेपाकां लीला मीळां
बेवाय रातां चोळ
बोर मनेमीठा लागेछे बाला..
बालो आवशेबावडां झालशे
करशेशोर बकोर
बोर मनेमीठां लागेछे बाला..

www.rajteachers.com

म्मोर ढेल

मारो छेमोर मारो छेमोर
मोती चरंतो मारो छेमोर
मारी छेढेल मारी छेढेल
मोती चरंती मारी छेढेल
मारो छेमोर मारो छेमोर
माळा मां खेलनार मारो छेमोर
मारी छेढेल मारी छेढेल
डाळीयेबेसनार मारी छेढेल
मारो छेमोर मारो छेमोर
राजा नो मानीतो मारो छेमोर
मारी छेढेल मारी छेढेल
राणी नी मानीती मारी छेढेल
बोलेछेमोर बोलेछेमोर
सोना ना टोडलेबोलेछेमोर
बोलेछेढेल बोलेछेढेल
रूपा नेबारणेबोलेछेढेल
मारो छेमोर मारो छेमोर
मोती चरंतो मारो छेमोर
मारी छेढेल मारी छेढेल
मोती चरंती मारी छेढेल

सपना नी वात

सपना नी वात कहूं सपना नी वात
हो बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात
सपना मां कोक दि हुं आकाशेघुमती
चांदा मामा नी संग संग
गोळ गोळ घुमती
तारलिया बे मनेबहु गमी जाय
ओ बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात

सपना मां कोक दि हुं मधदरियेजाती
दरियामां पाणीमां हुं मोतीड़ा ढंढोडती
माछलियो बेनी मारेपगेअड़ी जाय
ओ बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात

सपना मां कोक दि हुं परदेश जाती
परियोंनी साथेहुं मीठा गीतों गाती
परियों नी पांखों मेन्रूडा
पवन नाखी जाय
ओ बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात

धिक तिका तिक

धिक तिका, धिक तिका
धिक तिका ता

कोयलिया हो हो कोयलिया
तुं शीखवी जा अमेगावानुं. धिक....

मोरलिया हो हो मोरलिया
तुं शीखवी जा अमेनाचवानुं. धिक....

देडका रेहो हो देडका रे
तुं शीखवी जा अमेकूदवानुं. धिक....

ससला नाना ससला नाना
तुं शीखवी जा अमेदौड़वानुं. धिक....

माछळी रेहो हो माछळी रे
तुं शीखवी जा अमेतरवानुं. धिक....

www.rajteachers.com

उड़ेपतंग रंगदार

उड़ेपतंग रंगदार आभ मां
उड़ेपतंग रंगदार गगन मां

लीलीयो नेपीळियो ने
धोळियो नेभूरियो
लोटतो नेदोर लो
जाय गगन मां.
उड़ेपतंग रंगदार. उड़े.

चाँदा नेचोकड़ी नो
जम्यो छेच अल्या
चांदो गयो भरदोर गगन मां.
उडेपतंग रंगदार. उड़े.

जो नेजिग्नो भाई जो नेजीतु भाई
हाथ मां थी चाल्यो न जाय गगन मां
उड़ेपतंग रंगदार. उड़े.

दोरी नी झूल पडी
लूटजो अल्या लूटजो
जो जो नां आंगळा कपाय हाथ मां
उड़ेपतंग रंगदार. उड़े.

काळी वादळी

जो न काळी वादळी – 2
रिसाई गई – 2
ऐनेकोण मनावा जाय – 2
राजा कहेऐनेंहुंमनावा जाऊँ
राजा थी वादळी मानी नहिं – 2
जो न काळी वादळी – 2
रिसाई गई – 2
ऐनेकोण मनावा जाय – 2
राणी कहेऐनेंहुंमनावा जाऊँ
राणी थी वादळी मानी नहिं – 2
जो न काळी वादळी – 2
रिसाई गई – 2
ऐनेकोण मनावा जाय – 2
परियों कहेऐनेंहुंमनावा जाऊँ
परियों थी वादळी मानी गई – 2

कल्पनानी पांखे

कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ
हा... हुंतो कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ
आखी अवनि मां घूमी आँऊ
हा... हुंतो कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ

फूटता कोई फूलड़ा नी सुरभिओ लईं न
मधमधती दुनिया रचाँऊ
हा... हुंतो कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ

सागर शरमाय ऐवा रस मां तरबोळ बनी
सागर मां डूबकी लगाँऊ
हा... हुंतो कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ

दूर दूर डुंगरेथी उतरी झरणा बनी
कलकलता नादेवही जाऊँ
हा... हुंतो कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ

जग नेउड़ी नेजाऊँपरियों ना देश मां
पाताळ मां पेश नेडोलावु
हा... हुंतो कल्पना नी पांखड़ी जाऊँ

www.rajteachers.com

अमेगोळ गोळ

अमेगोळ गोळ रमीए रे
अमेताळी दई नेरमीए रे अमे.

बाग बगीचेफरवा जइये
फूल खिल्या भ्ेगा करीए
फूलडां सोरमीए रे
अमेफूलडां सोरमीए रे अमे..

नदी किनारेफरवा जइये
पाणी ब्ेची नावा पडीए
सररर सररर तरीए रे
अमेसररर सररर तरीए रे अमे..

चांदनी रोतमतो रमीए
संताकूकडी खूब ज रमीए
फे कुदरडी खूब ज फरीए
अमेफे कुदरडी फरीए रे अमे..

बाला नी बोरडी

बाला नी बोरडी नो बोर,
बोर मनेमीठा लागेछे
अमेए बोर ना चोर
बोर मनेमीठा लागेछे
कनु ेबीनु मीना ेटीना
मामा नो नानो किशोर
बोर मनेमीठा लागेछे बाला..
खेार वच्चेनानी शी बोरडी
उपर लटकेबोर
बोर मनेमीठा लागेछे बाला..
काचा नेपाकां लीला ेपीळां
ब्ेवाय रातां चोळ
बोर मनेमीठा लागेछे बाला..
बालो आवशेबावडां झालेश
करशेशोर बकोर
बोर मनेमीठां लागेछे बाला..

सपना नी वात

सपना नी वात कहूं सपना नी वात
हो बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात
सपना मां कोक दि हुं आकाशेघुमती
चांदा मामा नी संग संग
गोळ गोळ घुमती
तारलिया बेय मनेबहु ेगमी जाय
ओ बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात

सपना मां कोक दि हुं मधदरियेजाती
दरियामां पाणीमां हुं मोतीड़ा ढंढोडती
माछलियो बेनी मारेपगेअड़ी जाय
ओ बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात

सपना मां कोक दि हुं परदेश जाती
परियोंनी साथेहु ं मीठा गीतों गाती
परियों नी पांखों मेन्रडा
पवन नाखी जाय
ओ बेनी मारी सांभणजो सपना नी वात